Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 15, Issue No. 9, October-2018, ISSN 2230-7540

शहरी तथा ग्रामीण जनसंख्या में महिला व पुरुष रोजगार भागीदारी जनपद इटावा के संदर्भ में

Dr. Padma Tripathi*

Associate Professor, Economics, K.K.P.G. College, Etawah

सारांश – *विकास खण्ड बसरेहर के शहर बसरेहर, सिरसा, चितभवन तथा क्रीं बीना में औसत परिवार की जनसंख्या 3.15 है जिसमें औसतन 1.8 पुरुष तथा 1.58 महिलायें हैं। प्रत्येक आयु वर्ग में महिला की संख्या पुरुष से कम है। सर्वाधिक अन्तर 18-50 आयु वर्ग में है, जिसमें महिला औसत 0.67 तथा पुरुष औसत 0.72 है।*

परिवार में औसतन 3.15 व्यक्तियों का खर्च उठाना कठिन है क्योंकि सभी व्यक्ति रोजगार से नहीं जुड़े हैं, केवल वयस्क (18-50 आयु वर्ग) वाले व्यक्ति ही पूर्ण रूप से रोजगार से जुड़कर जीविका अर्जन कर रहे हैं, अन्य में बच्चे हैं जो या तो बहुत छोटे हैं या पढ़ाई कर रहे हैं। इनके अतिरिक्त वृद्ध हैं जो स्वयं वृद्धावस्था के कारण रोजगार से बहुत अधिक नहीं जुड़े हैं। परिवार के सभी आयु वर्ग के लोगों का थोड़ा या बहुत रोजगार अर्जन में योगदान है तब औसत आय प्रतिदिन/प्रति व्यक्ति रुपये 26.72 विभिन्न स्रोतों से है, जो गरीबी की तरफ इशारा करती है। जबकि औसत प्रति व्यक्ति प्रतिदिन व्यय विभिन्न मदों में रुपये 24.82 है। 24.82 रुपये में व्यक्ति प्रतिदिन अच्छी तरह से अपना पेट भी आसानी से नहीं भर सकता। इसके अतिरिक्त अन्य खर्च भी हैं, जो सामाजिक रूप से उसे अवश्य वहन करने पड़ते हैं। बसरेहर विकास खण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार बड़े हैं। औसतन एक परिवार में 4.14 सदस्य हैं जिसमें 2.01 महिलायें तथा 2.13 पुरुष है। वर्गवार चारों ग्रामीण क्षेत्रों के अध्ययन से ज्ञात हुआ कि सर्वाधिक जनसंख्या 18-50 आयु वर्ग में 0.73 स्त्री तथा 0.82 पुरुष की है।

----------X----------

प्रस्तावना

मार्विन जे. सेट्रोन के कथन के अनुसार 390 मि. भारतीय मध्यम वर्ग में शामिल हैं जो 10 वर्ष पहले गरीबी रेखा से नीचे थे। ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार की तलाश में स्थानान्तरित व्यक्तियों के लिए सरकार शहरी क्षेत्रों में उद्योगों आदि व्यवसायों के माध्यम से रोजगार सृजन कर रही है। जनसंख्या वृद्धि पर कड़ाई से अंकुश लगाना अति आवश्यक है वरना सारे सरकारी प्रयास ऊँट के मुँह में जीरा साबित होंगे। व्यक्तियों में शिक्षा, तकनीकी ज्ञान व वैज्ञानिक सोच का विकास कर लघु व कुटीर उद्योगों को पुनः विकसित किया जाये। कृषि आधारित उद्योगों का विकास कर रोजगार सृजित कर गरीबी उन्मूलन का प्रयास किया जाना चाहिए। जल संरक्षण व सिंचाई के साधनों को विकसित कर मानसून निर्भरता कम करके कृषि उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। उद्योगों का विकेन्द्रीकरण भी रोजगारपरक साबित होगा। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायिक व आधुनिक शिक्षा प्रणाली विकसित की जाये तो स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। यदि स्त्री शिक्षा पर ध्यान दिया जाये तो बेरोजगारी, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक बुराइयों आदि पर विजय पाई जा सकती है।

सरकारी प्रयास के अलावा गैर सरकारी संगठन भी इस दिशा में ईमानदारी से कार्य करें। ग्रामीण व्यक्तियों को उचित ज्ञान प्रदान कर समाज की आधुनिक धारा में शामिल करें। किसानों से सरकार सीधी खरीद को बढ़ावा दे ताकि उनका शोषण न हो व उपज का पूरा मूल्य मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में उनके क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों का पूरा परिचय, प्रयोग व भावी संभावनाओं की जानकारी देकर उस क्षेत्र की उत्पादकता को बढ़ाने का प्रयास किया जाये। मोटे अनाज अर्थात् निम्न गुणवत्ता के अनाज इत्यादि नामों से परिचित ज्वार, बाजरा, रागी, सवा, कोदु आदि अनाजों जो कि पौष्टिकता से भरपूर हैं व हमारी जीवन पद्धति के अनुकूल है, भोजन में शामिल करने चाहिए। इनमें औषधीय गुण भी होते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा व पौष्टिकता सुरक्षा दोनों लक्ष्य प्राप्त हो जायेंगे।

www.ignited.in

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन पूर्ण करने हेतु जनपद की बसरेहर तहसील को चुना गया जिसमें से तहसील के विकास खण्ड से चार ग्रामीण तथा चार शहरी क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया है। प्रत्येक ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों से बीस-बीस परिवारों कों चयनित किया। सम्पूर्ण अध्ययन प्रक्रिया में चयन दैव निदर्शन विधि से किया गया है। कुल मिलाकर 80 ग्रामीण तथा 80 शहरी परिवारों से समंकों को एकत्र कर अध्ययन पूर्ण करने की कोशिश की गई।

यहां का ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र अति पिछड़ा है। रोजगार के साधन नगण्य हैं। केवल कुछ प्रतिशत जनसंख्या खेती पर आधारित रहकर अपना जीवन यापन कर रही है। कृषि में भी पैदावार की स्थिति अधिक ठीक नहीं है। जनपद की मृदा कटाव युक्त, कंकरीली है। नदियों की अधिकता के कारण बीहड़ क्षेत्र अधिक है। जिसके कारण ऊबड़ खाबड़ कटाव, खाइयाँ आदि अधिक हैं। कुछ जगह समतल है वहां पर पैदावार बहुत अच्छी होती है। किसान एक वर्ष में चार-चार फसलें पैदा कर रहे हैं जिसमें नगदी फसलें भी शामिल हैं। सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का पूर्णरूपेण क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है।

ग्रामीण व शहरी परिवार को दैवनिदर्शन विधि से चयनित कर अध्ययन का आधार माना गया। जिसमें दो प्रकार से समंकों को एकत्र किया गया-

प्राथमिक समंकों को अनुसंधानकर्ता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अनुसूची बनाकर साक्षात्कार द्वारा एकत्र किया गया। जिसमें चयनित परिवार से जानकारी प्राप्त की गयी। जिसमें-मुखिया का नाम, स्त्री, पुरुष तथा बच्चों संख्या, आय-व्यय के साधन, व्यक्तिगत तथा सामूहिक आय, उपभोग स्तर, साक्षरता, ऋण ग्रसतता तथा विभिन्न कुरीतियों के बारे में पूछताछ कर जानकारी ली गयी और तालिकाबद्ध कर शोध में प्रयोग किया गया।

द्वितीयक समंकों का संग्रहण में सम्बन्धित प्रकाशित शोध-ग्रंथ, पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों सरकारी तथा अर्द्धसरकारी कार्यालयों द्वारा प्रकाशित तालिकाओं, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय अखबारों, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संचालित संगोष्ठियों तथा सेमिनार से प्राप्त अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया गया। साक्षात्कार के समय जो आँकड़े प्रस्तुत हुए उनका लगभग मिलान व स्पष्टीकरण सम्बन्धित सरकारी व अर्द्धसरकारी विभागों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किया गया।

सर्वेक्षण आंकणों का विश्लेषण

तालिका नम्बर-1 शहरी जनसंख्या में महिला-पुरुष रोजगार सहभागिता से यह प्रतीत होता है कि बसरेहर में 20 परिवारों में केवल 64 लोग रोजगार से जुड़े हुए हैं जिसमें स्त्रियों का प्रतिशत 46.99 व पुरुषों का 53.24 है। कुल 30 स्त्रियां तथा 34 पुरुष रोजगार से लगे हुए हैं।

आयु वर्गवार अध्ययन से पता चलता है कि 0-10 आयु वर्ग में 4 स्त्रियां व 4 पुरुष जिनका औसत 0.32 व 0.32 है। किसी रोजगार से जुड़कर धनोपार्जन करते हैं। 10-18 आयु वर्ग में 6 लड़कियां व 8 लड़के जिनका रोजगार सहभागिता में औसत 0.42 व 0.52 है रोजगार से जुड़कर धनोपार्जन कर रहे हैं। आयु वर्ग 18-50 में 12 स्त्रियां व 12 पुरुष जिनका औसत 0.72 व 0.72 है रोजगार में भागीदारी प्रस्तुत कर रहे हैं। आयु वर्ग 50 से ऊपर में 8 स्त्रियां व 10 पुरुष जिनकी औसत रोजगार भागीदारी 0.52 व 0.62 है।

बसरेहर में प्रत्येक आयु वर्ग के लोग किसी न किसी अनुपात में अपनी रोजगार सहभागिता प्रस्तुत कर रहे हैं। अधिकतर पुरुषों की भागीदारी महिलाओं से अधिक है। सर्वाधिक 18-50 आयु वर्ग के लोगों की रोजगार सहभागिता अधिक है क्योंकि यही वयस्क लोग परिवार के मुखिया हैं। स्त्रियों में प्रत्येक वर्ग का तुलनात्मक अध्ययन पर निष्कर्ष निकलता है कि सर्वाधिक 18-50 तथा 50 से अधिक आयु वर्ग की सहभागिता अन्य की तुलना में अधिक है। पुरुषों में भी 18-50 व 50 से अधिक आयु वर्ग की रोजगार सहभागिता 0-10, 10-18 आयु वर्ग से अधिक है। सिरसा शहरी क्षेत्रों में आंकड़ों से पता चलता है कि कुल जनसंख्या में औसत 64 लोग रोजगार से जुड़े हुए हैं जिसमें 31 स्त्रियाँ तथा 33 पुरुष हैं जिनका प्रतिशत क्रमशः 48.7 व 51.53 है। सिरसा में 0-10 आयु वर्ग में 4 स्त्रियां, 4 पुरुष जिनका औसत 0.32 तथा 0.32 है रोजगार से जुड़े हुए हैं। आयु वर्ग 10-18 में औसत 6 स्त्रियाँ व 7 पुरुष रोजगार से जुड़े हुए हैं, जिनका औसत 0.42 व 0.47 है। आयु वर्ग 18-50 में सर्वाधिक 12 स्त्रियां तथा 12 पुरुष रोजगार से जुड़े हुए हैं जिनका औसत 0.72 व 0.72 है। 50 से अधिक आयु वर्ग में औसत सहभागिता 0.57 स्त्रियां तथा 0.62 पुरुषों की है जिनकी संख्या 9 व 10 है।

चितभवन शहर की औसत कुल जनसंख्या में 61 लोग ही रोजगार से लगे हुए हैं जिसमें स्त्रियों का प्रतिशत 46.02 व पुरुषों का प्रतिशत 54.21 है। 0-10 आयु वर्ग में औसत 4 स्त्रियां तथा 4 पुरुष जिनका औसत 0.32 व 0.32 क्रमशः है, रोजगार में जुड़े हुए हैं। 10-18 आयु वर्ग में औसत 6 स्त्रियां

www.ignited.in

व 7 पुरुष जिनका कुल औसत 20 परिवारों में 0.42 स्त्रियां व 0.47 पुरुष है जो रोजगार में लिप्त हैं। 18-50 आयु वर्ग में 10 स्त्रियां व 12 पुरुष जिनका कुल परिवारों में औसत 0.62 व 0.72 है रोजगार से जुड़े हैं। 50 से ऊपर आयु वर्ग में औसत 0.52 स्त्रियां व 0.62 पुरुष जिनकी संख्या क्रमशः 8 व 10 है रोजगार से जुड़े हैं। चितभवन में कुल मिलाकर 18-50 आयु वर्ग के लोग अधिक रोजगार सहभागिता रखते हैं। इस वर्ग में पुरुषों की सहभागिता स्त्रियों से अधिक है। लगभग सभी वर्गों में पुरुषों की रोजगार सहभागिता स्त्रियों से अधिक है।

क्रीं बीना शहर में 0-10 आयु वर्ग में 0.32 स्त्रियां, 0.32 पुरुष औसत परिवारों में जिनकी संख्या क्रमशः 4 व 4 है, रोजगार से जुड़े हैं। 10-18 आयु वर्ग में औसत भागीदारी 0.43 स्त्रियां व 0.49 पुरुष है, जिनकी औसत संख्या 7 स्त्रियां व 8 पुरुष है, जो कई प्रकार के रोजगार में अपनी भागीदारी प्रस्तुत करते हैं। 18-50 आयु वर्ग में औसत 10 स्त्रियां व 12 पुरुष जिनका औसत 0.67 व 0.72 है, रोजगार से जुड़े हुए हैं। 50 से अधिक उम्र वाले वर्ग में 7 स्त्रियां व 11 पुरुष रोजगार से जुड़े हैं जिनका औसत क्रमशः 0.52 व 0.63 है। शहर में पुरुषों की रोजगार भागीदारी महिलाओं से अधिक है। सर्वाधिक भागीदारी 18-50 आयु वर्ग की है।

सभी शहरी क्षेत्रों का औसत करने पर यह निकलकर आया है कि 0-10 आयु वर्ग में औसत भागीदारी रोजगार में 0.32 स्त्रियों की, 0.32 पुरुषों की है। 10-18 आयु वर्ग में 0.43 स्त्रियों व 0.49 पुरुषों की रोजगार में भागीदारी है। 18-50 आयु वर्ग में 0.67 स्त्रियां व 0.72 पुरुष रोजगार से जुड़े हुए हैं। 50 से अधिक वर्ग में औसत सहभागिता स्त्रियों की 0.52 व पुरुषों की 0.63 है। सर्वाधिक भागीदारी सभी शहरों में 18-50 आयु वर्ग की है जिसमें औसतन 11 स्त्रियां तथा 12 पुरुष रोजगार कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। बालकों व वृद्धों विशेषकर वृद्ध स्त्रियों की सहभागिता कम है।

तालिका नम्बर-2 ग्रामीण जनसंख्या में महिला पुरुष रोजगार औसत भागीदारी से स्पष्ट होता है कि ग्राम संतोशपुर में औसत 20 परिवारों की जनसंख्या में 74 लोग ही रोजगार से जुड़े हुए हैं जिसमें 37 स्त्रियां तथा 37 पुरुष शामिल हैं। कुल रोजगारपरक जनसंख्या में स्त्रियों का प्रतिशत 50 तथा पुरुषों का प्रतिशत 50 है।

आयु वर्ग वार अध्ययन से स्पष्ट हो रहा है कि 0-10 आयु वर्ग में 5.0 स्त्रियां व 5.0 पुरुष जिनका औसत 0.42 तथा 0.42 है, रोजगार से जुड़े हुए हैं। 10-18 आयु वर्ग में 10 स्त्रियां व 10 पुरुष जिनका औसत 0.67 व 0.67 क्रमशः है रोजगारपरक हैं। 18-50 आयु वर्ग में औसत रोजगार सहभागिता 0.72 व 0.72 है जिनकी संख्या क्रमशः 12.0 व 12.0 स्त्रियों तथा पुरुषों की है। आयु वर्ग 50 से अधिक में औसत रोजगार सहभागिता स्त्रियों में 0.67 व पुरुषों में 0.67 है जिनकी संख्या क्रमशः 10 व 10 है।

ग्राम नगला मनी में महिला पुरुष रोजगार सहभागिता के अन्तर्गत निम्न परिणाम सामने आये हैं। उक्त ग्राम में कुल जनसंख्या में 76 व्यक्ति रोजगार से संलग्न हैं जिसमें 37 स्त्रियां तथा 39 पुरुष हैं। कुल सहभागिता में स्त्रियों का प्रतिशत 48.85 है जबकि पुरुषों का प्रतिशत 51.48 है। विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार अध्ययन से स्पष्ट है कि 0-10 आयु वर्ग में कुल स्त्रियों की संख्या 5 व कुल पुरुषों की संख्या भी 5 है। इसी वर्ग में दोनों का औसत भी क्रमशः 0.42 व 0.42 है। आयु वर्ग 10-18 में स्त्री-पुरुष रोजगार सहभागिता क्रमशः औसत 0.72 व 0.72 है जो कुल स्त्री व पुरुष रोजगार जनसंख्या का 29.9 व 28.37 प्रतिशत है। इसी वर्ग में 11 स्त्रियां व 11 पुरुष रोजगार में लगे हुए हैं। 18-50 वर्ग में 0.72 औसत स्त्रियां तथा 0.82 औसत पुरुष रोजगार में लिप्त हैं जिनकी संख्या क्रमशः 11 तथा 13 है जो कुल रोजगारी महिलाओं तथा पुरुषों की संख्या का 29.9 व 33.5 प्रतिशत है। 50 से अधिक आयु वर्ग में स्त्रियों तथा पुरुषों का औसत समान है 0.67, 10 स्त्रियां तथा 10 पुरुष कामकाजी हैं जिनका कुल कामकाजी स्त्रियों तथा पुरुष जनसंख्या में क्रमशः 27.2 व 25.81 का प्रतिशत है।

ग्राम दुगाइन में कुल जनसंख्या में 77 लोग कामकाजी हैं जिसमें 37 स्त्रियां तथा 40 पुरुष रोजगार में लिप्त हैं। 0-10 वर्ग में क्रमशः स्त्रियों तथा पुरुषों का औसत 0.47 व 0.47 है जिसमें कुल कामकाजी जनसंख्या में स्त्रियों तथा पुरुषों का प्रतिशत 16.39 व 15.17 रहा। इस वर्ग में 6 स्त्री व 6 पुरुष कामकाज से जुड़े हुए हैं। 10-18 आयु वर्ग में 11 स्त्रियां तथा 11 पुरुष रोजगार में लगे हैं जिनका औसत क्रमशः 0.72 व 0.72 है जो कुल स्त्री व पुरुष कामकाजी संख्या का 29.9 व 27.67 प्रतिशत है। 18-50 वर्ग में स्त्रियों की रोजगार भागीदारी औसत 0.67 व पुरुषों की 0.82 है, कुल रोजगार में स्त्री तथा पुरुष की भागीदारी क्रमशः 27.2 व 32.67 प्रतिशत है। कुल इस वर्ग में 10 स्त्रियां व 13 पुरुष रोजगार से जुड़े हैं। 50 से अधिक वर्ग में 10 स्त्रियां व 10 पुरुष रोजगार में लिप्त हैं जो कुल स्त्री संख्या का 27.2 प्रतिशत तथा कुल पुरुष जनसंख्या का 25.81 प्रतिशत है। औसत 0.67 स्त्रियां तथा 0.67 पुरुष रोजगार से लगे हैं।

www.ignited.in

ग्राम केशोंपुर में कुल जनसंख्या में 77 लोग ही रोजगार से जुड़े हैं जिनमें से कुल 36 स्त्रियां तथा 41 पुरुष हैं। कुल का 46.92 प्रतिशत स्त्रियां तथा 53.42 प्रतिशत पुरुष रोजगार में लिप्त हैं। वर्गवार अध्ययन से पता चला कि 0-10 वर्ग में औसतन 0.42 स्त्रियां तथा 0.42 पुरुष जिनका कि प्रतिशत क्रमशः 14.05 व 12.36 है जो संख्या में क्रमशः 5 व 5 है, रोजगार कर रहे हैं। आयु वर्ग 10-18 में रोजगार से जुड़े स्त्रियों तथा पुरुषों की जनसंख्या, प्रतिशत तथा औसत निम्न प्रकार है- जनसंख्या 10 व 12, प्रतिशत क्रमशः 27.95 व 29.44 तथा औसत क्रमशः 0.67 व 0.77 है। आयु वर्ग 18-50 में औसतन 0.77 स्त्रियां तथा 0.87 पुरुष जिसका प्रतिशत क्रमशः 33.5 व 34.32 है रोजगार से जुड़े हैं। इस वर्ग में कुल रोजगारपरक संख्या स्त्रियों की 12 व पुरुषों की 14 है। 50 से अधिक आयु वर्ग में औसत 0.62 स्त्रियां व 0.67 पुरुष कामकाजी हैं जिनका प्रतिशत क्रमशः 25 तथा 24.56 है। कुल 9 स्त्रियां तथा 10 पुरुष कामकाजी हैं।

शहरी क्षेत्रों में आय प्राप्त के साधन मुख्यतः कृषि, पशुपालन, सिलाई, राजगीरी, रेशम पालन, कुटीर उद्योग जैसे- दरी बनाना, टोकरी बनाना, खिलौने बनाना आदि, दुकानदारी तथा सरकारी सेवा आदि हैं। अन्य आय के साधनों में मण्डी व किसानों के खेत से प्राप्त सामग्री का बेचना तथा गांव-गांव जाकर फेरी द्वारा खाद्य पदार्थ तथा कपड़ा आदि बेचना है।

सन्दर्भ सूची

1. अभिताभ तिवारी (1996-97): "भारत में शिक्षा, विशेष रूप में महिलाओं के सम्बन्ध में", "वार्ता" ग्टप्प् अप्रैल-अक्टूबर, पृ.सं. 115-123.

2. जी.सी. त्रिपाठी एवं राकेश कुमार पाण्डेय (2001): "इम्पैक्ट ऑफ डवलपमेन्ट ऑन वेजेस एण्ड इम्पलाइमेन्ट ऑफ रूरल लेवर इन इण्डिया", वार्ता (ग्ग्प्) अप्रैल से अक्टूबर, पृ.सं. 13-25.

3. सुभ्राभ्रता भट्टाचार्या (2003): "रूरल मार्केटिंग-दि हाल एक्सपीरियेन्स", हिन्दू सर्वे ऑफ इण्डियन, इन्डस्ट्री

4. अशोक कुमार (2006): "ग्रामीण भारत में लड़कियों की शैक्षणिक स्थिति", कुरुक्षेत्र, नवम्बर, पृ.सं. 5.

5. उमेश चन्द्र अग्रवाल (2006): "बाल श्रमिक की विभीषिका", कुरुक्षेत्र, नवम्बर, पृ.सं. 32.

6. योगेन्द्र के. अलख (2006): "भारतीय कृषि समस्यायें और सम्भावनायें", योजना, अगस्त, पृ.सं. 17-24.

7. सुभाष सेतिया (2006): "रोजगार के क्षेत्र में महिलायें", योजना, अक्टूबर, पृ.सं. 43.

8. एस नारायण (2007): "रोजगार सम्भावना पर एक नजर", योजना, अप्रैल, पृ.सं. 25.

9. अखिल कुमार मिश्र (2008): "कमजोर वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनायें", कुरुक्षेत्र, फरवरी, पृ.सं. 24-28.

10. अंगद सिंह (2010): "गरीबी निवारण-समस्या और समाधान के रास्ते" नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन रिसेन्ट पावर्टी डिबेट, भारतीय आर्थिक शोध संस्थान, नवम्बर, पृ.सं. 12-13.

11. पद्मा त्रिपाठी (2010): "भारत में निर्धनता की स्थिति का आकलन", नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन रिसेन्ट पॉवर्टी डिबेट", भारतीय आर्थिक शोध संस्थान, इलाहाबाद, नवम्बर, 20, 21, पृ.सं. 8-9.

12. पहलाद कुमार (2010): "भारत में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा की प्रासंगिकता", नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन रिसेन्ट पॉवर्टी डिबेट इन इण्डिया, भारतीय आर्थिक शोध संस्थान, इलाहाबाद, नवम्बर, पृ.सं. 36-37.

तालिका नं. 1 शहरी जनसंख्या में महिला-पुरुष रोजगार भागीदारी

शहर का नाम	आयु वर्ग	0 - 10		10- 18		18 - 50		50 से अधिक		कुल जनसंख्या		
	लिंग	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	कुल
बसरेहर	औसत	0.32	0.32	0.42	0.52	0.72	0.72	0.52	0.62	1.62	1.82	3.44
	प्रतिशत	13.45	11.88	20.12	23.64	40.12	35.41	26.78	29.53	46.99	53.24	
सिरसा	औसत	0.32	0.32	0.42	0.47	0.72	0.72	0.57	0.62	1.67	1.77	3.44
	प्रतिशत	13.02	12.24	19.47	21.33	38.82	36.48	29.15	30.42	48.7	51.53	
चितभवन	औसत	0.32	0.32	0.42	0.47	0.62	0.72	0.52	0.62	1.52	1.77	3.29
	प्रतिशत	14.4	12.24	21.55	21.33	35.83	36.48	28.69	30.42	46.02	54.21	
थरी बीना	औसत	0.32	0.32	0.47	0.52	0.62	0.72	0.47	0.67	1.52	1.87	3.39
	प्रतिशत	14.4	11.55	25.12	22.98	35.83	35.4	25.12	31.55	44.56	55.67	
औसत	औसत	0.32	0.32	0.43	0.49	0.67	0.72	0.52	0.63	1.58	1.8	3.38
	प्रतिशत	13.82	12.02	21.35	22.14	37.79	35.83	27.52	30.48	46.47	53.45	

तालिका नं. 2 ग्रामीण जनसंख्या में महिला-पुरुष रोजगार भागीदारी

गाँव का नाम	आयु वर्ग	0 - 10		10- 18		18 - 50		50 से अधिक		कुल जनसंख्या		
	लिंग	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	कुल
संतोषपुर	औसत	0.42	0.42	0.67	0.67	0.77	0.77	0.67	0.67	2.02	2.02	4.04
	प्रतिशत	13.68	13.68	27.2	27.2	32.6	32.6	27.2	27.2	50.17	50.17	
नगला मनी	औसत	0.42	0.42	0.72	0.72	0.72	0.82	0.67	0.67	2.02	2.12	4.14
	प्रतिशत	13.68	12.99	29.9	28.37	29.9	33.5	27.2	25.81	48.85	51.48	
डुमाइन	औसत	0.47	0.47	0.72	0.72	0.67	0.82	0.67	0.67	2.02	2.17	4.19
	प्रतिशत	16.39	15.17	29.9	27.67	27.2	32.67	27.2	25.17	48.22	52.12	
केशोंपुर	औसत	0.42	0.42	0.67	0.77	0.77	0.87	0.62	0.67	1.97	2.22	4.19
	प्रतिशत	14.05	12.36	27.95	29.44	33.5	34.32	25.17	24.56	46.92	53.42	
औसत	औसत	0.43	0.43	0.69	0.72	0.73	0.82	0.66	0.67	2.01	2.13	4.14
	प्रतिशत	14.3	13.43	28.43	28.23	30.6	33.33	26.8	25.68	48.54	51.79	

Corresponding Author

Dr. Padma Tripathi*

Associate Professor, Economics, K.K.P.G. College, Etawah